खबर संक्षेप

शासन की दोहरी नीति के विरोध में पेंशनर्स का जंगी प्रदर्शन

शहडोल। शासन की कथित दोहरी नीति और पेंशन संबंधी लंबित मांगों के विरोध में मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ संयुक्त राज्य पेंशनर्स फेडरेशन एवं वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन के आह्वान पर 29 दिसंबर को प्रदेशभर में पेंशनर्स जंगी प्रदर्शन करेंगे। यह आंदोलन एक साथ मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में आयोजित किया जाएगा। संयुक्त जानकारी देते हुए वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन के संभागीय अध्यक्ष रविकरण त्रिपाठी एवं जिला अध्यक्ष आर.एल. तिवारी ने बताया कि वर्ष 2000 में मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के विभाजन के बाद से शासन द्वारा धारा 49(6) की गलत व्याख्या की जा रही है। इसके चलते पेंशनर्स को महंगाई राहत (डीआर) का भुगतान देरी से किया जा रहा है। परिणामस्वरूप छठवें वेतनमान का 32 माह तथा सातवें वेतनमान का 27 माह का एरियर आज तक लंबित है। पेंशनर्स नेताओं का कहना है कि बार-बार ज्ञापन और अनुरोध के बावजूद शासन ने समस्याओं का समाधान नहीं किया, जिससे पेंशनर्स में भारी आक्रोश है। इसी के विरोध में 29 दिसंबर को शहडोल में दोपहर 1:30 बजे जयस्तंभ चौक पर पेंशनर्स एकत्र होंगे और वहां से कलेक्टर एवं कमिश्नर कार्यालय तक रैली निकालकर ज्ञापन सौंपेंगे। इस आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील रामनरेश तिवारी, के.पी. महेंद्र, महेश प्रसाद श्रीवास्तव, दयाशंकर शुक्ला, लोकेंद्र प्रसाद तिवारी, संतोष कुमार पाण्डेय, एच.वी. नगाइच, के.के. सिंह, संजय श्रीवास्तव, वाई.पी. दुबे, राम मिलन शर्मा, वाई.एस. नंदन श्रीवास्तव, राजेश निगम, अशोक द्विवेदी, गोपीनाथ सिंह, लालमणि जायसवाल एवं प्रवीण जैन सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है। पेंशनर्स का कहना है कि यह आंदोलन उनके अधिकारों की रक्षा और लंबित एरियर भुगतान के लिए निर्णायक लड़ाई साबित होगा।

मृत्योपरांत देहदान का संकल्प

शहडोल । जिले से मानवता को झकझोरने और समाज को नई दिशा देने वाला एक प्रेरक उदाहरण सामने आया है। ग्राम पंचायत चांपा, विकासखंड सोहागपुर निवासी उमेश कुमार गुप्ता द्वारा मृत्यु उपरांत अपने शरीर के दान का संकल्प लिया गया है। यह निर्णय न केवल एक व्यक्ति की सोच को दर्शाता है, बल्कि पीड़ित मानवता की सेवा के लिए किया गया एक अत्यंत पुनीत और अनुकरणीय कार्य है। उमेश कुमार गुप्ता ने पूर्ण विवेक और स्वेच्छा से यह निर्णय लिया है कि उनकी मृत्यु के पश्चात उनका शरीर शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, शहडोल को अध्ययन एवं शोध कार्यों के लिए दान किया जाए। उन्होंने इस संबंध में अपने परिजनों को भी अवगत कराया है और उनकी सहमति भी प्राप्त की गई है, जिससे यह संकल्प और अधिक सशक्त हो जाता है। देहदान चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मेडिकल छात्रों को मानव शरीर की वास्तविक संरचना को समझने, रोगों के उपचार के नए तरीके खोजने और भविष्य में बेहतर डॉक्टर बनने में इससे अमूल्य सहायता मिलती है। इस प्रकार एक व्यक्ति का देहदान असंख्य मरीजों के जीवन को बचाने की दिशा में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देता है। आज के समय में जब समाज में स्वार्थ और दिखावे की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, ऐसे में देहदान जैसा निर्णय मानवता, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक बनकर सामने आता है। यह कार्य न केवल दानकर्ता को अमरता प्रदान करता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी सेवा और त्याग का संदेश देता है। उमेश कुमार गुप्ता का यह संकल्प समाज के लिए एक सीख है कि जीवन के बाद भी मानव सेवा संभव है। अन्य लोगों को भी इस पुनीत कार्य से प्रेरणा लेकर देहदान जैसे निर्णयों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, ताकि चिकित्सा क्षेत्र को सशक्त बनाया जा सके ।

खाकी और खनिज विभाग की चुप्पी के बीच लुट रही सोन और सहायक नदियां

सूरज ढलते ही शुरू होता है रेत माफियाओं का तांडव

शहडोल।

जिले की जीवनदायिनी नदियां इन दिनों खनन माफियाओं के लिए सोने की खदान बन गई हैं। संभागीय मुख्यालय से लेकर ब्यौहारी और बुढ़ार से लेकर जयसिंहनगर तक, ऐसा कोई कोना नहीं बचा है जहां रेत तस्करों के ट्रैक्टरों की गडग़ड़ाहट सुनाई न देती हो। शासन को करोड़ों के राजस्व का चूना लगाकर और प्रशासनिक तंत्र को बौना साबित करते हुए माफियाओं का यह खूनी खेल अब खूनी संघर्ष की दहलीज पर खड़ा है।

शाम ढलते ही सजती है अवैध मंडी

बुढ़ार, सिंहपुर, धनपुरी, सोहागपुर, गोहपारू, जयसिंहनगर और ब्यौहारी ये वो इलाके हैं, जहां शाम ढलते ही कानून दम तोड़ देता है। जैसे ही अंधेरा गहराता है, नदियों के किनारों पर ट्रैक्टर, डंपर और मेटाडोरों की लंबी कतारें लग जाती हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई सामान्य परिवहन नहीं, बल्कि हथियारों से लैस और शराब के नशे में धुत असामाजिक तत्वों का जमघट होता है। नदियों के सीने को छलनी कर रातभर रेत चोरी का यह सिलसिला बिना किसी रोक-टोक के चलता रहता है।

खाकी की सरपरस्ती या सिस्टम की लाचारी?

सबसे बड़ा सवाल पुलिस और खनिज विभाग की भूमिका पर उठ रहा है। क्या यह मुमकिन है कि जिले के आधा दर्जन थानों की नाक के नीचे से प्रतिदिन सैकड़ों गाडिय़ां रेत लेकर गुजरें और साहबों को खबर तक न हो? चर्चा आम है कि यह पूरा कारोबार

सेटअप के तहत चल रहा है। बुढ़ार, अमलाई और धनपुरी के शहरी इलाकों में जिस बेखौफ अंदाज में अवैध रेत की सप्लाई हो रही है, वह बिना राजनैतिक संरक्षण और अधिकारियों की मिलीभगत के संभव ही नहीं है। विभाग की यह रहस्यमयी खामोशी चीख-चीख कर कह रही है कि ऊपर तक हिस्सा पहुंच रहा है।

हादसे को न्योता: खूनी संघर्ष की आशंका

रेत के इस काले धंधे ने जिले के शांतिपूर्ण ग्रामीण इलाकों को अपराध के गढ़ में तब्दील कर दिया है। खनन क्षेत्रों में माफियाओं की आपसी प्रतिद्वंद्विता इतनी बढ़ गई है कि कभी भी यहां गोलियां चल सकती हैं। पूर्व में हुई मारपीट की घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि वर्चस्व की यह जंग किसी बड़े खूनी खेल में बदल सकती है। शराब और हथियारों के साये में चल रहे इस कारोबार ने आम नागरिकों का नदियों के पास जाना भी दूभर कर दिया है।

राजस्व की डकैती, गुणवत्ता पर चोट

एक ओर शासन विकास कार्यों का ढिंढोरा पीट रहा है, वहीं दूसरी ओर उन्हीं सरकारी प्रोजेक्ट्स में चोरी की इस रेत का इस्तेमाल हो रहा है। बिना रॉयल्टी की इस रेत से सरकार को हर महीने करोड़ों का नुकसान हो रहा है। अवैध तरीके से निकाली गई मिट्टी युक्त और घटिया रेत से बन रहे पुल, पुलिया और भवन भविष्य में बड़े हादसों का कारण बनेंगे। यानी जनता का पैसा भी लूटा जा रहा है और उनकी सुरक्षा से खिलवाड़ भी किया जा रहा है।

प्रशासन के लिए खुली चुनौती

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक की सख्ती के दावों के बीच यह अवैध उत्खनन जिले की कानून व्यवस्था पर एक बड़ा तमाचा है। यदि प्रशासन ने तत्काल इन क्षेत्रों में औचक निरीक्षण कर प्रभावी कार्रवाई नहीं की, तो वह दिन दूर नहीं जब यह खनन माफिया प्रशासन के नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हो जाएंगे। जनता अब सवाल पूछ रही कि आखिर कब तक नदियों का दोहन होता रहेगा, प्रशासनिक अधिकारी कार्रवाई के नाम पर केवल छोटे-मोटे ट्रैक्टर पकडक़र खानापूर्ति कर रहे हैं, जबकि असली मगरमच्छ आज भी आजाद घूम रहे हैं।

बांग्लादेशी आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रीय बजरंग दल का व्यापक विरोध

आजाद चौक पर पुतला दहन, बांग्लादेशी हिंदुओं के समर्थन में उठा जनआक्रोश

धनपुरी। बांग्लादेश में हिंदू समाज पर हो रहे कथित नरसंहार, अत्याचार एवं हिंसक घटनाओं के विरोध में राष्ट्रीय बजरंग दल टीम धनपुरी द्वारा आजाद चौक में एक वृहद, संगठित एवं शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान बांग्लादेशी आतंकवाद एवं इस्लामिक आतंकवाद का पुतला दहन कर अपना तीव्र आक्रोश व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। यह विरोध प्रदर्शन बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के विरुद्ध हो रही घटनाओं के प्रति जन-जागरूकता फैलाने एवं अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान इस गंभीर विषय की ओर आकृष्ट करने के उद्देश्य से किया गया। आयोजन पूरी तरह अनुशासित, मर्यादित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

धनपुरी टीम की सक्रिय भूमिका

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि बांग्लादेश में रह रहे हिंदू भय और असुरक्षा के माहौल में जीवन जीने को मजबूर हैं। उनके धार्मिक स्थलों, संपत्तियों एवं जीवन पर लगातार हमले हो रहे हैं, जो मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन है। इसी के विरोध में राष्ट्रीय बजरंग दल धनपुरी द्वारा यह सांकेतिक लेकिन सशक्त प्रदर्शन किया गया। आयोजन की सफलता में नगर अध्यक्ष कृष्ण गुप्ता एवं राष्ट्रीय बजरंग दल धनपुरी की पूरी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम पूरी तरह सुव्यवस्थित रहा तथा सुरक्षा और अनुशासन का विशेष ध्यान रखा गया। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

आतंकवाद और कट्टरता के विरुद्ध संदेश- विरोध प्रदर्शन के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि यह आंदोलन किसी देश या धर्म विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि आतंकवाद, कट्टरता और निर्दोष हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ है। कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण नारेबाजी के माध्यम से बांग्लादेशी हिंदुओं के प्रति एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया। संगठन ने दो टूक कहा कि यदि समय रहते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति और अधिक भयावह हो सकती है। इसलिए वैश्विक मानवाधिकार संगठनों और अंतरराष्ट्रीय मंचों को इस विषय पर गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिए।

प्रांत मंत्री मेहुल श्रीवास्तव का कार्यालय से तीखा और स्पष्ट वक्तव्य - कार्यक्रम के समापन अवसर पर राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रांत मंत्री मेहुल श्रीवास्तव ने बांग्लादेशी सरकार, बांग्लादेशी कट्टरपंथी तत्वों तथा इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ कड़ा और स्पष्ट विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं हैं और यह सीधे-सीधे मानवता पर हमला है। प्रांत मंत्री श्रीवास्तव ने इस सफल एवं सुरक्षित आयोजन के लिए नगर अध्यक्ष कृष्ण गुप्ता तथा राष्ट्रीय बजरंग दल धनपुरी की संपूर्ण टीम को धन्यवाद देते हुए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि धनपुरी टीम ने जिस अनुशासन और संगठनात्मक क्षमता के साथ यह कार्यक्रम संपन्न किया, वह पूरे प्रांत के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी हिंदू समाज के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के लिए संगठन का संघर्ष पूरी मजबूती के साथ जारी रहेगा।

स्काउट-गाइड्स ने सीखा आपदा प्रबंधन और समाज सेवा का पाठ

शहडोल।

जनजातीय कार्य विभाग के तत्वावधान में संभाग मुख्यालय स्थित शासकीय विशिष्ट क्रीड़ा परिसर में पूर्वी क्षेत्र के पांच जिलों अनूपपुर, उमरिया, शहडोल, सीधी और सिंगरौली के विद्यार्थियों के लिए आयोजित पांच दिवसीय बेसिक प्रशिक्षण शिविर का भव्य समापन हुआ। 20 से 24 दिसंबर तक चले इस शिविर में स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर और कब-बुलबुल सहित रेडक्रास के 153 प्रतिभागियों ने अनुशासन, आत्मरक्षा और राष्ट्र निर्माण की बारीकियों को आत्मसात किया।

शिविर की सबसे बड़ी विशेषता इसका व्यवहारिक प्रशिक्षण रहा। जिला होमगार्ड की एसडीआरएफ टीम ने डेमो के माध्यम से छात्रों को भूकंप, बाढ़ और गैस रिसाव जैसी आपदाओं के समय जीवन बचाने के गुर सिखाए। छात्रों ने सीखा कि कैसे कुएं या खाई में गिरे व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला जाता है। वहीं ट्रैफिक पुलिस के एएसआई प्रताप सिंह और विवेकानंद तिवारी ने सडक़ सुरक्षा के नियमों की जानकारी देते हुए बच्चों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग जे.पी. यादव एवं नोडल अधिकारी आनंद राय सिन्हा के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में छात्रों को स्काउटिंग के इतिहास, नियम-प्रतिज्ञा के साथ-साथ मार्च पास्ट, हाइक, कैम्प फायर, योगा और प्राथमिक चिकित्सा का गहन प्रशिक्षण दिया गया। समापन अवसर पर छात्र-छात्राओं ने लोक गीतों और पारंपरिक लोक नृत्यों की ऐसी मनमोहक प्रस्तुति दी, जिससे समूचा परिसर जनजातीय संस्कृति के रंगों में सराबोर हो गया।

शिविर संचालक और प्राचार्य डी.सी. मिश्रा ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर से चयनित 15-15 होनहार रोवर-रेंजर और स्काउट-गाइड आगामी 20 से 25 जनवरी तक भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय समागम में हिस्सा लेंगे। ये छात्र वहां मध्य प्रदेश की कला-संस्कृति और अपनी दक्षता का प्रदर्शन करेंगे। साथ ही, इन्हें राजधानी में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होने का गौरव भी प्राप्त होगा।

शिविर की सफलता में वरिष्ठ लीडर ट्रेनर डॉ. सत्यनारायण पाण्डेय, नंदन श्रीवास्तव, और जे.पी. नापित की महत्वपूर्ण भूमिका रही। नोडल अधिकारी आनंद राय सिन्हा ने प्रशिक्षण में सहयोग देने वाले स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग और पांचों जिलों के सहायक आयुक्तों के प्रति आभार व्यक्त किया। अतिथियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उन्हें देश का उत्तम चरित्रवान नागरिक बनने का आह्वान किया।

शहडोल के विद्यालयों में गूंजी साहिबजादों की वीरता

वीर बाल दिवस पर बच्चों ने लिया साहस का संकल्प

शहडोल।

धर्म, न्याय और अटूट साहस की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले सिख गुरु गोविंद सिंह जी के चारों साहिबजादों की स्मृति में आज समूचा शहडोल जिला वीर बाल दिवस के रंग में रंगा नजर आया। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में आयोजित इन कार्यक्रमों के जरिए नई पीढ़ी को साहिबजादों के उस बलिदान से रूबरू कराया गया, जिसने भारतीय इतिहास की धारा बदल दी थी।

स्कूलों और आंगनवाडिय़ों में गूंजी वीरगाथा

जिले के शासकीय हाई स्कूल भर्री, माध्यमिक शाला बरहाई, नंदना और श्यामडीह खुर्द सहित विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों में विशेष सभाएं आयोजित की गईं। संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास, राकेश खरे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वीर बाल दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि

साहस और त्याग का वह प्रतीक है जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2022 में राष्ट्रीय पहचान दी। साहिबजादों ने छोटी सी उम्र में मुगल हुकूमत के जुल्मों के आगे झुकने के बजाय मौत को गले लगाना बेहतर समझा, जो आज के युवाओं के लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत है।

वीरता के नाम पर हुईं खेल और कला प्रतियोगिताएं

शहडोल के विशिष्ट बालक क्रीड़ा परिसर विचारपुर में एक अनूठी पहल देखने को मिली। यहां वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए टीमों का नामकरण साहिबजादे जोरावर सिंह, फतेह सिंह, जुझार सिंह और अजीत सिंह के नाम पर किया गया। मैदान पर खिलाडिय़ों ने उन्हीं के नाम के अनुरूप जोश और जज्बा दिखाया। इसके साथ ही विभिन्न स्कूलों में रंगोली, चित्रकला, वाद-विवाद और कुर्सी दौड़ जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

7 और 9 वर्ष की उम्र में दी गई महान कुर्बानी

जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा ने साहिबजादों के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे बाबा जोरावर सिंह 9 वर्ष और बाबा फतेह सिंह 7 वर्ष को जिंदा दीवारों में चुनवा दिया गया था, लेकिन उन्होंने अपना धर्म और स्वाभिमान नहीं छोड़ा। वहीं बड़े साहिबजादे अजीत सिंह और जुझार सिंह चमकौर की लड़ाई में वीरता पूर्वक लड़ते हुए शहीद हुए। इन वीर गाथाओं को सुनकर विद्यार्थियों की आंखें नम हो गईं और परिसर जो बोले सो निहाल के नारों से गूंज उठा।

लाइव प्रसारण और सामाजिक सहभागिता

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया, जिसे बच्चों और शिक्षकों ने एकाग्रता के साथ सुना। सरकारी बालिका संप्रेषण गृह और शिवालय शिशुगृह जैसी संस्थाओं में भी यह दिवस पूरी गरिमा के साथ मनाया गया। इस भव्य आयोजन में सहायक संचालक जयंत प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में प्राचार्य, शिक्षक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आज की युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि साहिबजादों का बलिदान हमें यह सिखाता है कि न्याय की रक्षा के लिए उम्र नहीं, बल्कि इरादों की मजबूती मायने रखती है।

रामपुर बटुरा में फूटा आक्रोश: कड़ाके की ठंड में कोयला रोकने की तैयारी, 30 को खदान बंदी का शंखनाद!

शहडोल। अंधेर नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा, यही हाल रामपुर बटुरा खुली खदान परियोजना का है, जहां एसईसीएल प्रबंधन के तानाशाही रवैये ने अन्नदाताओं को सडक़ पर उतरने को मजबूर कर दिया है। कड़ाके की ठंड और सर्द रातों में जब लोग रजाई में दुबकते हैं, तब रामपुर बटुरा के किसान टोली बनाकर मोहल्लों में मशाल जला रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा और स्थानीय युवाओं के नेतृत्व में किसानों ने संकल्प लिया है कि 30 दिसंबर को संपूर्ण खदान का चक्का जाम किया जाएगा।

जमीन छिन ली, कोयला निकाल लिया- किसानों का आरोप है कि एसईसीएल ने कथित विकास के नाम पर उनकी पुश्तैनी जमीनें अधिग्रहित कर लीं, यहां तक कि बिना नोटिस दिए खेतों से कोयला भी निकाल लिया गया, लेकिन मुआवजे के नाम पर उन्हें फूटी कौड़ी तक नहीं मिली। अयोध्या गुप्ता, मुरली साहू, मुन्नी बाई, सजन बैगा और बाबूलाल साहू जैसे दर्जनों किसान आज भी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। रोजगार, पेड़-पौधों का मुआवजा और उचित पुनस्र्थापन आज भी केवल कागजों तक सीमित है।

मैनेजरों की धमकी बनाम किसानों का संकल्प- हैरानी की बात यह है कि जब पीड़ित किसान अपनी आवाज सोशल मीडिया या अखबारों के माध्यम से उठाते हैं, तो खदान के एरिया मैनेजर और उनकी टीम द्वारा उन्हें फोन पर धमकाया जा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा ने बताया कि प्रबंधन अब किसानों को डराने की ओछी राजनीति कर रहा है। लेकिन किसानों ने दो टूक कह दिया है, ना डरेंगे, ना झुकेंगे... हम अपना हक मांगते, नहीं किसी से भीख मांगते। धमकी देने वाले नंबरों को ट्रेस किया जा रहा है और इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक से करने की तैयारी है।

आर-पार की लड़ाई - ग्राम सभा में किसानों ने सामूहिक रूप से प्रस्ताव पारित कर एसईसीएल के मुआवजा लॉलीपॉप को ठुकरा दिया है। ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि पुनस्र्थापन राशि को 3 लाख से बढ़ाकर 10 लाख किया जाए। डोंगरी टोला के 58 मकानों के अधूरे मुआवजे का बहिष्कार किया जाएगा, भुगतान 100 प्रतिशत एक साथ होना चाहिए। जब तक विस्थापन नहीं होता, तब तक बिजली, पानी, सडक़ और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी एसईसीएल उठाए।

जनता की अदालत और चौपाल का ऐलान- इस महायुद्ध में सरपंच, उपसरपंच, जनपद सदस्य चंद्रकुमार तिवारी, सांसद प्रतिनिधि राजकमल मिश्रा, किसान नेता आदित्य त्रिपाठी सहित जिला पंचायत सदस्य शांति मनमोहन चौधरी और अन्य जनप्रतिनिधियों ने हुंकार भर दी है। किसानों का कहना है कि अब मौखिक आश्वासन का दौर खत्म हो गया है, अब कागज बोलेगा। 30 दिसंबर को खदान के मुहाने पर जनता की अदालत लगेगी और समाधान होने तक किसान टस से मस नहीं होंगे।

नाबालिग छात्रा से छेडख़ानी करने वाले मनचले को 3 साल की जेल: जयसिंहनगर न्यायालय का कड़ा फैसला

शहडोल। नाबालिग छात्राओं की सुरक्षा और सम्मान से खिलवाड़ करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए विशेष न्यायालय पॉक्सो (अपर सत्र न्यायालय) जयसिंहनगर ने एक अहम फैसला सुनाया है। ट्यूशन जाने वाली नाबालिग छात्रा का पीछा करने और अश्लील इशारे करने के आरोपी अतुल उर्फ अश्वनी सिंह उम्र 27 वर्ष को न्यायालय ने दोषी करार देते हुए 3 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

क्या था पूरा मामला- अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह मामला वर्ष 2020 का है। ग्राम मोहनी निवासी आरोपी अतुल उर्फ अश्वनी सिंह, पीड़िता के ट्यूशन जाने वाले रास्ते में बाधा बना हुआ था। कक्षा 8वीं में पढऩे वाली पीड़िता जब अपने घर से 3 किलोमीटर दूर ट्यूशन पढऩे जाती थी, तो रास्ते में पडऩे वाले अपने घर के सामने खड़ा होकर आरोपी उसे देखकर आंख मारता था और अश्लील इशारे करता था। इतना ही नहीं आरोपी पीड़िता का पीछा भी करता था। जब छात्रा ने इस घिनौनी हरकत का विरोध किया, तो आरोपी ने मर्यादा की सारी सीमाएं लांघते हुए पीड़िता को मां-बहन की भद्दी गालियां दीं। उस समय पीड़िता के चाचा और अन्य गवाहों ने भी आरोपी की इस करतूत को देखा था। छात्रा ने साहस दिखाते हुए पूरी बात अपने परिजनों और शिक्षक को बताई, जिसके बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

कानूनी शिकंजा और कड़ी पैरवी- घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना जयसिंहनगर में धारा 354(घ), 294, 509 और पॉक्सो एक्ट की धारा 11 व 12 के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध किया गया था। उपनिरीक्षक प्रीती कुशवाहा ने मामले की विवेचना कर चालान पेश किया। न्यायालय में राज्य की ओर से विशेष लोक अभियोजक नवीन कुमार वर्मा ने प्रभावी पैरवी की। अभियोजन ने आरोपी को सजा दिलाने के लिए न्यायालय के समक्ष 10 गवाहों के बयान दर्ज कराए और 21 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए।

कार्यालय नगर परिषद् बरगंवा (अमलाई) जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

क्रमांक- 1515/ई-टेण्डरिंग/2025-26 **आनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना** बरगंवा दिनांक-24/12/25

निम्नलिखित कार्यों की आनलाइन निविदा https://www.gem.gov.in के माध्यम से आमत्रित की गई है। कार्यो का विस्तृत विवरण वेवसाइट पर देखा जा सकता है।

Tender No.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य अवधि
1	2	3	4	5	6
GEM/2025/B/7010291	Lighting Pole or Post and Hardware - Tubular Street Light Poles (V2) (Q3)	1386250.50	15000.00	-	1 माह

2. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि दिनांक 16.12.2025 को प्रात: 10.00 बजे से दिनांक 16.01.2026 को सांय 21.30 बजे तक निर्धारित है ।5. ऑनलाईन दर प्रस्तुत करने की तिथि दिनांक 16.12.2025 को प्रात: 10.00 बजे से दिनांक 16.01.2026 को सांय 21.30 बजे तक निर्धारित है। 6. निविदा में किसी भी प्रकार संशोधन होने पर उसे केवल वेबसाईट www.gem.gov.in पर का प्रकाशित किया जावेगा, समाचार पत्रों में नही ।7. अन्य विवरण उपरोक्त पोर्टल पर देखे जा सकते है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद् बरगंवा (अमलाई) जिला -अनूपपुर म.प्र.

खबर संक्षेप

गोद लिए कुपोषित बच्चे के घर का संयुक्त कलेक्टर ने किया भ्रमण

उमरिया। कुपोषण दूर करने हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कुपोषण मुक्त जिला बनाने एवं जन जागरूकता लाने हेतु नवाचार किए जा रहे हैं। नवाचार अंतर्गत कुपोषित बच्चे के स्वास्थ्य में सुधार लाने हेतु विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें गोद लिया है, और बच्चो एवं उनके माता पिता को पोषण संबंधी समझाईश दे रहे हैं। संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र ग्राम बडखेरा ,तहसील बिलासपुर, जनपद पंचायत करकेली अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र का भ्रमण किया गया। केंद्र में कुपोषण से प्रभावित बालक कार्तिक बढ़ई के घर जाकर बालक एवं उनकी मां से संपर्क कर हालचाल जाना एवं बच्चे के खान पान संबंधी जानकारी ली। बच्चे के स्वास्थ्य को देखते हुए श्रीमती डेहरिया द्वारा आवश्यक दवाइयां और अन्य स्वास्थ्य वर्धक सामग्री बच्चे हेतु दी गई। साथ ही बच्चे के अभिभावकों को पोषण संबंधी जानकारी देते हुए समय समय पर स्वास्थ्य केंद्र/जिला अस्पताल उमरिया में चिकित्सा लाभ लेने हेतु भी जानकारी दी गई।

रक्तदान शिविर में 53 यूनिट रक्त किया गया संग्रह

उमरिया। बाबा महाकाल मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मानपुर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों एवं स्वैच्छिक रक्तदाताओं के उत्साहपूर्ण सहयोग से कुल 53 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वी. एस. चंदेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी, लैब टेक्नीशियन विनीत साहू एवं रमेश यादव, सपोर्ट स्टाफ हरीश यादव एवं अफरोज खान, तथा वाहन चालक राजकुमार यादव ने सेवाएं प्रदान कीं। बाबा महाकाल मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड के समस्त स्टाफ द्वारा बड़े उत्साह और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ रक्तदान किया गया। इस अवसर पर कंपनी के कर्मचारियों ने भविष्य में भी रक्तदान जैसे पुनीत कार्यों में निरंतर अग्रणी रहने का संकल्प लिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वी. एस. चंदेल ने सभी रक्तदाताओं की सराहना करते हुए उन्हें नियमित रूप से प्रत्येक तीन माह में रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया। वहीं डॉ. मुकुल तिवारी ने रक्तदान महादान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज में इसके व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया। शिविर के सफल आयोजन से क्षेत्र में सामाजिक सेवा और मानवीय संवेदनाओं को नई दिशा मिली।

डीआरएम ने मौके पर पहुंचकर लिया हालात का जायजा

बुढ़ार को जल्द मिलेगी विकास की सौगातें

बुढ़ार। नगर परिषद बुढ़ार द्वारा रेलवे से जुड़ी जनसमस्याओं को लेकर भेजे गए तीनों पत्रों को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन ने गंभीरता से लेते हुए त्वरित संज्ञान लिया। पत्रों की समीक्षा के बाद डीआरएम राकेश रंजन स्वयं बुढ़ार पहुंचे और नगर परिषद अध्यक्ष के साथ पार्षदों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को साथ लेकर पैदल ही बाजार और रेलवे क्षेत्र का निरीक्षण किया, जिससे साफ हो गया कि रेलवे प्रशासन अब इन समस्याओं को कागजों तक सीमित नहीं रखेगा।

निरीक्षण के दौरान डीआरएम राकेश रंजन ने रेलवे स्टेशन पहुंच मार्ग के आसपास लग रही सब्जी मंडी और सडक़ किनारे दुकानों की वास्तविक स्थिति देखी। नगर परिषद अध्यक्ष ने सब्जी विक्रेताओं की आजीविका, वर्षों से चली आ रही बाजार व्यवस्था और वैकल्पिक समाधान की मांग उनके सामने रखी। डीआरएम राकेश रंजन ने मौके पर मौजूद दुकानदारों और नागरिकों से संवाद करते हुए कहा कि बाजार को व्यवस्थित करना प्राथमिकता है, ताकि यातायात बाधित न हो और गरीब सब्जी विक्रेताओं की रोजी-रोटी भी सुरक्षित रहे। उन्होंने सडक़ के दोनों ओर अव्यवस्थित दुकानों को नियोजित ढंग से व्यवस्थित करने की आवश्यकता पर सहमति जताई।

निरीक्षण के दौरान सडक़ निर्माण और पहुंच मार्ग सुधार की मांग भी प्रमुखता से उठी। नगर परिषद द्वारा सौंपे गए मांग पत्रों को देखते हुए डीआरएम राकेश रंजन ने अधिकारियों को स्पष्ट संकेत दिया कि सडक़ निर्माण, स्टेशन रोड सुधार और नागरिक सुविधाओं से जुड़े प्रस्तावों को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि रेलवे और नगर परिषद के आपसी समन्वय से इन कार्यों को जल्द मूर्त रूप दिया जा सकता है, जिससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा।

नगर परिषद द्वारा पहले उठाए गए लखेरन टोला स्थित रेलवे अंडर ब्रिज और बुढ़ार रेलवे ओवर ब्रिज की समस्याओं पर भी मौके पर चर्चा हुई। डीआरएम राकेश रंजन ने माना कि बारिश के समय जलभराव, संकरा मार्ग और ओवर ब्रिज पर लोहे की पट्टियों के बीच गैप जैसी समस्याएं दुर्घटनाओं को न्योता दे सकती हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि तकनीकी परीक्षण के बाद आवश्यक मरम्मत और सुधार कार्यों पर शीघ्र निर्णय लिया जाएगा, ताकि आवागमन सुरक्षित और सुगम बनाया जा सके।

इस पूरे घटनाक्रम को नगर परिषद अध्यक्ष की सक्रियता और नेतृत्व की बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। लगातार पत्राचार, जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाना और रेलवे प्रशासन तक सही तरीके से बात पहुंचाने का परिणाम यह रहा कि डीआरएम राकेश रंजन स्वयं निरीक्षण के लिए पहुंचे। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यह बुढ़ार के विकास के लिए एक नया अध्याय है, जहां अब समस्याओं पर केवल चर्चा नहीं बल्कि समाधान की दिशा में ठोस पहल हो रही है।

निरीक्षण के दौरान डीआरएम राकेश रंजन ने यह भी स्पष्ट किया कि नगर परिषद द्वारा दिए गए तीनों पत्रों का निचोड़ जनहित से जुड़ा है और इन्हें प्राथमिकता के आधार पर अमल में लाया जाएगा। बाजार व्यवस्था, सडक़ निर्माण, ब्रिज मरम्मत और यातायात सुधार जैसे मुद्दों पर रेलवे का सहयोग पूरी तरह से रहेगा। इससे न केवल बुढ़ार नगर बल्कि रेलवे लाइन के आसपास रहने वाले नागरिकों को भी जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, नगर परिषद बुढ़ार की पहल और डीआरएम राकेश रंजन के सकारात्मक रुख से यह संकेत साफ हैं कि बुढ़ार को जल्द ही विकास की सौगातें मिल सकती हैं और वर्षों से चली आ रही समस्याओं का समाधान अब धरातल पर उतरने वाला है।

रामपुर बटुरा खदान में अब कोयला नहीं, न्याय निकलेगा

30 दिसंबर से जनता की अदालत करेगी फैसला

शहडोल। हम अपना अधिकार मांगते, नहीं किसी से भीख मांगते के गगनभेदी नारों के साथ सोहागपुर एरिया की रामपुर बटुरा खुली खदान परियोजना के खिलाफ किसानों ने निर्णायक युद्ध का बिगुल फूंक दिया है। 15 सालों से वादों की घुट्टी पी रहे किसानों का सब्र अब जवाब दे चुका है। आने वाली 30 दिसंबर से प्रभावित किसान न झुकेंगे, न रुकेंगे, सिर्फ अपना हक लेकर रहेंगे। इस बार खदान से कोयला तब निकलेगा, जब किसानों की मांगें पूरी होंगी।

अब घर-घर से निकलेगा आक्रोश

किसान नेता और सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा के नेतृत्व में आंदोलन को धार देने के लिए मोहल्ले-मोहल्ले चौपालें सज रही हैं। रामपुर बेलिया के कुदराटोला, डोंगरी टोला और पुरानीहा टोला जैसे इलाकों में किसानों ने खुद कमान संभाल ली है। रणनीति साफ है कि इस बार अधिकारी दफ्तर में नहीं बैठेंगे, उन्हें आंदोलन स्थल पर आना होगा। 29 दिसंबर को किसान अपनी समस्याओं का पुलिंदा लेकर जुटेंगे और वहीं जनता की अदालत लगेगी। प्रशासन के लोक सेवकों को वहीं मौके पर समाधान करना होगा, वरना खदान का चक्का जाम रहेगा।

15 साल से किया जा रहा छल

किसानों का गुस्सा जायज है। 2009-10 में जमीन अधिग्रहित हुई, 2016 में मुआवजा मिला और 2023 तक रोजगार की फाइलें धूल फांकती रहीं। जिस खदान के दम पर सोहागपुर एरिया लीड कर रहा है, उसी के विस्थापित आज दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। किसानों ने देशहित में बिना लड़े अपनी माटी दे दी, लेकिन बदले में प्रबंधन ने उन्हें केवल आश्वासन के झुनझुने थमाए। अब किसानों ने तय किया है कि वे सॉफ्ट टारगेट नहीं बनेंगे।

आर-पार की जंग

प्रबंधन को दी गई अंतिम चेतावनी में किसानों ने अपनी शर्तें साफ कर दी हैं, सभी विस्थापितों के मकानों का मुआवजा एकमुश्त भुगतान किया जाए। पुनर्वास सहायता की राशि को 3 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया जाए। फाइल नंबर 329, 151, 143, 288, 349 सहित सभी लंबित रोजगार प्रकरणों को तत्काल स्वीकृति दी जाए। किसानों की छोटी-छोटी विभागीय समस्याओं का मौके पर ही निराकरण हो।

प्रबंधन को खुली चुनौती

रामपुर बटुरा किसान संघर्ष समिति ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बार ज्ञापन देकर चुप होने का दौर बीत चुका है। यदि 30 दिसंबर तक प्रबंधन ने ठोस कार्रवाई नहीं की, तो खदान का संचालन पूरी तरह ठप कर दिया जाएगा। किसानों का कहना है कि जब तक हमारे बच्चों का भविष्य सुरक्षित नहीं होता, तब तक जमीन का सीना चीरकर कोयला निकालने की इजाजत किसी को नहीं दी जाएगी।

परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक से की मुलाकात

बाघ अभ्यारण्य प्रबंधन, वन, राजस्व, खनिज एवं पुलिस के मध्य समन्वय की दी गई जानकारी

उमरिया। आर.सी.व्ही.पी.नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी म.प्र.भोपाल द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा म.प्र. संवर्ग 2024 बैच के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के 6 सदस्यीय दल का म.प्र.दर्शन,सह अध्ययन पर उमरिया पहुंचने के बाद एमपीटी ताला में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी,उप संचालक बीटीआर पीके वर्मा, वनमंडलाधिकारी विवेक सिंह तथा सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह से मुलाकात की । इस दौरान परिवीक्षाधीन अधिकारियों को उमरिया जिले के बांधवगढ़ राष्ट्रीय बाघ अभ्यारण्य का प्रबंधन, वन, राजस्व, खनिज एवं पुलिस के मध्य समन्वय, वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन से संबंधित गतिविधियों की जानकारी दी गई। इसके पूर्व परिवीक्षाधीन अधिकारियो ने रंछा ग्राम में बने वनराज होम स्टे तथा टाईगर मूमेंट होम स्टे तथा टाईगर फुट प्रिंट होम स्टे का भी अवलोकन किया तथा होम स्टे में आने वाले सैलानियो को उपलब्ध कराई जा रही ।

डोला के आंगनबाड़ी केंद्रों में मनाया गया वीर बाल दिवस

हरिभूमि न्यूजराजनगर। 26 दिसंबर की सुबह 11 बजे से वीर बाल दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में जिला कार्यक्रम अधिकारी विनोद परस्ते एवं परियोजना अधिकारी सुश्री सीमा गाजू के मार्गदर्शन में सेक्टर डोला के अंतर्गत सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों और महिलाओं में उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के अंतर्गत सभी केंद्रों में जागरूकता रैली निकाली गई तथा बच्चों के लिए चित्रकला, अभिनय, गीत, कविता, कहानी व खेलकूद जैसी विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को वीर बालकों के साहस, बलिदान और देशप्रेम की भावना से परिचित कराया गया। कार्यक्रम में सेक्टर पर्यवेक्षक सुश्री सीमा सिंह, सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्व-सहायता समूह की महिलाएं, बच्चों के अभिभावक एवं नगर के वरिष्ठजन उपस्थित रहे। डोला क्षेत्र के कई आंगनवाड़ी केंद्रों में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले एवं सेक्टर स्तर के अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूरा कार्यक्रम हर्ष, उल्लास और देशभक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें बच्चों की सक्रिय भागीदारी और अभिभावकों का सहयोग सराहनीय रहा। वीर बाल दिवस का यह आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं संस्कार निर्माण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल साबित हुआ।

विशाखापत्तनम में आयोजित पेसा महोत्सव में मध्य प्रदेश का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज कोतमा। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित पेसा महोत्सव 22 से 24 दिसंबर में देशभर के सभी पेसा राज्यों से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने सहभागिता की। महोत्सव के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं, पारंपरिक स्टॉलों, तथा जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में मध्य प्रदेश ने कबड्डी प्रतियोगिता में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। मध्य प्रदेश पुरुष कबड्डी टीम ने फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, वहीं महिला कबड्डी टीम फाइनल में उपविजेता रही। इस उपलब्धि में राजेश सिंह, जिला समन्वयक (पेसा एक्ट) एवं मिथलेश सिंह नेताम समन्वयक विकास खंड कोतमा खेल एवं युवा कल्याण विभाग अनूपपुर, मध्यप्रदेश कबड्डी टीम के कोच के रूप कार्य किया गया था विशेष योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन एवं समन्वय से अनूपपुर जिले से पेसा महोत्सव राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता विशाखापट्नम आँध्रप्रदेश में मध्यप्रदेश के जिला अनूपपुर से 5 पुरुष व 4 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। विकास खंड पुष्पराजगढ ग्राम पंचायत खेतगांव से बसंत कुमार सिंह, विक्रम सिंह, त्रिवेंद्र कुमार सिंह, योगेंद्र सिंह, गोपाल सिंह ने फाइनल में मध्यप्रदेश टीम उड़ीसा को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया विकास खंड कोतमा से महिला वर्ग में ग्राम पंचायत बैहाटोला से पार्वती सिंह, सुषमा रानी नगर पालिका परिषद कोतमा के वार्ड नंबर 10 चित्रा कोल वार्ड नंबर 14 मोनू सिंह ध्रुवें फाइनल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया पेसा महोत्सव कबड्डी प्रतियोगिता खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना और टीमवर्क का प्रदर्शन करते हुए राज्य को गौरवान्वित किया। पुरुष टीम द्वारा विजेता और महिला टीम द्वारा द्वितीय स्थान प्राप्त करना न केवल मध्य प्रदेश के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह पेसा क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की संभावनाओं और सशक्तिकरण को भी दर्शाता है। पेसा महोत्सव ने आदिवासी क्षेत्रों की संस्कृति, खेल और सहभागिता को राष्ट्रीय मंच प्रदान करते हुए एक महत्वपूर्ण संदेश दिया।

विश्वविद्यालय में गूंजी लैंगिक समानता की आवाज

विद्यार्थियों को सिखाए आत्मरक्षा और कानून के पाठ

शहडोल। समाज में गहरी जड़ें जमा चुकी लैंगिक हिंसा की बेडियों को काटने और युवा पीढ़ी को जागरूक करने के लिए पं. शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग में एक सशक्त जागरूकता एवं परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 16 दिवसीय वैश्विक अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दो टूक शब्दों में कहा कि हिंसा सहना उसे बढ़ावा देने के समान है।

चुप्पी ही अत्याचारी की असली ताकत

मुख्य वक्ता और काउंसलर मिस रागनी लंबा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए एक कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा लैंगिक हिंसा केवल शारीरिक चोट नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक प्रताडना भी है। अक्सर चुप्पी और सामाजिक लोक-लाज के डर से हम इसे सहते हैं, जो अपराधी के हौसले बुलंद करता है। उन्होंने सकारात्मक पुरुषत्व और स्वस्थ संबंधों पर जोर देते हुए बताया कि समाज में बदलाव की शुरुआत स्वयं से और सही संवाद से होती है।

कानूनी ढाल और हेल्पलाइन की शक्ति

जागरूकता सत्र में विद्यार्थियों को भारतीय न्याय संहिता 2023, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 और कार्यस्थल पर यौन उत्पीडन जैसे कड़े कानूनों की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि मुसीबत के वक्त वे अकेले नहीं हैं। सखी वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181, आपातकालीन नंबर 112 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 जैसी सेवाएं महज एक कॉल की दूरी पर हैं।

गुड टच-बैड टच और सहमति पर चर्चा

कार्यक्रम के दौरान एक संवादात्मक सत्र भी रखा गया, जिसमें सहमति और गुड टच-बैड टच जैसे संवेदनशील लेकिन अनिवार्य विषयों पर बेबाकी से चर्चा की गई। प्राणीशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष और प्राध्यापकों की उपस्थिति में हुए इस आयोजन ने विद्यार्थियों को यह सोचने पर मजबूर किया कि कैसे एक जागरूक नागरिक बनकर वे बाल विवाह मुक्त भारत और हिंसा मुक्त समाज के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम का निष्कर्ष एक ही था, सशक्तिकरण का पहला कदम बोलना है। विश्वविद्यालय के इस प्रयास को प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं ने समयोचित और समाज के लिए अत्यंत आवश्यक बताया।

खबर संक्षेप

रजक जाति को प्रदेश में अलग-अलग वर्ग में रखना उचित नहीं एडवोकेट रजक

बिरसिंहपुर पाली। एडवोकेट संतोष कुमार रजक शपथ आयुक्त व्यवहार न्यायालय पाली द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि एक ही जाति रजक समाज को प्रदेश में अलग-अलग वर्ग में रखना न्याय उचित नहीं है रजक जाति मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में अनुसूचित जाति में आती है जबकि कुछ जिलों में पिछड़ा वर्ग में आती है रजक जी ने बताया कि कई वर्षों से रजक जाति द्वारा रजक जाति को पूरे प्रदेश में अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग होती रही है लेकिन रजक जाति को सिर्फ आश्वासन ही मिले रजक जी ने प्रदेश सरकार से अपील करते हुए कहा कि रजक जाति को अन्य जिलों के साथ पूरे प्रदेश में अनुसूचित जाति में शामिल करने पर विचार करना चाहिए।

स्कूटी सवार दो युवतियां हादसे का शिकार, एक की मौत

कटनी। स्कूटी सवार दो युवतियां हादसे का शिकार हो गईं, जिसमें एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई। यह हादसा जिला न्यायालय के मुख्य गेट के सामने बीती शाम हुआ। हादसे में जिस युवती की मौत हुई उसकी पहचान सोफिया बानो 23 वर्ष निवासी ईश्वरीपुरा वार्ड के रूप में हुई है। वहीं घायल युवती खुशी शुक्ला 20 वर्ष निवासी रंगनाथ थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। घायल का उपचार परिजनों की सहमति से निजी अस्पताल में जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों युवतियां स्कूटी से जिला न्यायालय गेट के सामने से गुजर रही थीं। इसी दौरान स्पीड ब्रेकर के पास स्कूटी असंतुलित हो गई और डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में सोफिया बानो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि खुशी शुक्ला गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला कांग्रेस ने रेपकांड के आरोपी को मिली जमानत पर जताया विरोध

कटनी। उन्नाव बलात्कार कांड के आरोपी और पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट से मिली जमानत के खिलाफ जिला महिला कांग्रेस कमेटी, कटनी ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। महिला कांग्रेस ने इस फैसले को पीड़िता और समाज के लिए चिंताजनक बताते हुए महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनी वर्मा के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई है कि कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत को तत्काल रद्द किया जाए और मामले में कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।न महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि इतने जघन्य अपराध के आरोपी को जमानत मिलना न्याय व्यवस्था पर आम जनता का विश्वास कमजोर करता है। साथ ही, इससे पीड़िता और उसके परिवार की सुरक्षा को भी गंभीर खतरा उत्पन्न होता है। ज्ञापन में कहा गया है कि ऐसे मामलों में सख्त रुख अपनाया जाना चाहिए, ताकि समाज में गलत संदेश न जाए और पीड़ितों को न्याय मिलने का भरोसा बना रहे। महिला कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि वह महिलाओं के खिलाफ अपराधों को लेकर लगातार आवाज उठाती रहेगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करती रहेगी।

सिद्धचक्र महा मंडल विधान का आयोजन

कटनी। कैलवारा झुरही, स्थित चेतनोदय तीर्थ क्षेत्र में संत शिरोमणी आचार्य गुरूवर विद्यासागर जी महाराज के अज्ञानुवर्ती परम शिष्य मुनि पुंगव निर्यापक श्रवण सुधासागर महाराज एवं पदम सागर महाराज के मंग आशीर्वाद से सिद्धचक्र महामण्डल विधान का कार्यक्रम बड़े हर्ष उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जबलपुर से पधारे बालब्रम्हचारी विनोद भैया एवं राकेश भैया के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चान एवं श्रद्धाभक्ति के साथ विश्वशांति महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया कार्यक्रम में ध्वजारोहणकर्ता श्रीमंत सेठ उत्तमचंद प्रभा जैन, अनुराग जैन, अनुज जैन, महायज्ञ नायक धन्नालाल अंगूरी जैन, इंदौर विधानकर्ता देवकुमार ममता रानी, मैना सुंदरी ने पुण्य लाभ लिया।

डीआरएम ने रेल्वे स्टेशन एवं सब्जी मंडी का किया निरीक्षण, दोनों प्लेटफार्म पर कोच डिस्प्ले प्रारम्भ हो

धनपुरी मार्ग रेल ओवर ब्रिज की होगी मरम्मत

शनिवार को रेल मंडल बिलासपुर के प्रबंधक राकेश रंजन का आकस्मिक दौरा एवं रेल्वे स्टेशन का निरीक्षण करने कोयलांचल क्षेत्र के सबसे अधिक राजस्व देने वाले रेल्वे स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचे।

बुढार।

डीआरएम श्री रंजन के समझ रेल रोको आंदोलन समिति के रोहिणी प्रसाद गर्ग एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालकों के द्वारा रेल्वे स्टेशन में व्याप्त समस्यायों से अवगत करा कर उन्हें तीन सूत्रीय मांग पत्र सौंप कर उल्लेख किया कि रेल्वे प्लेटफार्म क्रमांक एक और दो पर प्रस्तावित दोनों प्लेटफार्म पर कोच डिस्प्ले एवं दोनों प्लेटफार्म पर सामान्य ऊंचा तथा प्लेटफार्म छावनी का विस्तार के लिए पूर्व डीआरएम से स्वीकृति प्राप्त है लेकिन अभी तक कार्यों का पुरा ना होना समझ से परे है।

नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने डीआरएम श्री रंजन को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि हमारे यहां रेल्वे मार्ग पर खाली पड़ी जमीन जिसमें बीते दो दशक पहले सब्जी मंडी लगता था यदि उक्त स्थल को सब्जी व्यापारियों को सौंप दिया जाये तो सड़क से अतिक्रमण हट सकता है, दुसरी मांग विक्रमपुर मार्ग पर छोटा पुल है जहां से ऊपर से गाडियां गुजरती वहां पर हमेशा पानी भरा रहता है।

डीआरएम श्री रंजन ने अस्वस्थ कराया है कि जो भी समस्या है उसका निदान किया जायेगा।

डीआरएम ने देखीं सब्जी मंडी स्थल

निरीक्षण करने पहुंचे रेल प्रबंधक ने अपनी सहजता का परिचय देते हुए रेल्वे भूमि पर फैले गंदगी एवं सब्जी मंडी स्थल का निरीक्षण कर रेल अधिकारियों को दिया निर्देश।

संगीतमयी भागवत कथा का होगा आयोजन

निकाली गई भव्य कलश यात्रा

ब्यौहारी।

जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत मैर टोला के ग्राम मंटोला में बाबा तालाब के पास 25 तारीख से 31 दिसंबर तक भव्य संगीतमयी में भागवत कथा का आयोजन किया गया है कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए पंडित अतुल मिश्रा द्वारा बताया गया की कथा का वचन पं रेखा दीदी द्वारा किया जाएगा 1 जनवरी को भंडारे का आयोजन होगा 24 दिसंबर को भव्य कलश यात्रा निकाली गई जिसमें क्षेत्र के सैकड़ो लोग शामिल हुए झांपर क्षेत्र में हो रहे भागवत कथा को लेकर समूचे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण है।

जांच के नाम पर हो रही ज्यादती का पीडब्ल्यूडी इंजीनियर ने जताया विरोध

ब्यौहारी। मध्य प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर संगठन के आह्वान पर पूरे मध्य प्रदेश के लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर अपनी मांगों को लेकर 22 दिसंबर को हड़ताल किया संगठन ने अपनी मांगों को लेकर हड़ताल किया है मध्य प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन के प्रांतीय प्रवक्ता विजय शुक्ला ने बताया गया कि 1 वर्ष पूर्व संगठन द्वारा मांग की गई थी विभाग में समुचित संसाधन एवं स्टाफ की कमी को पूर्ति किया जाए किंतु आज दिनांक तक संसाधन और स्टाफ उपलब्ध नहीं कराया गया कार्य मैनुअल 70 वर्ष पुराना है इस मैनुअल के तहत तत समय विभागीय अमला श्रमिकों में टाइमकीपर एवं उपयंत्री एवं एसडीओ द्वारा कार्य कराए जाने की पद्धति थी किंतु वर्तमान में कार्य पद्धति में पूर्णता बदलाव कर ठेका पद्धत से कार्य कराया जा रहा है किंतु कार्य की जिम्मेदारी पुरानी पद्धति के अनुसार यथावत है जिम्मेदारी में भी नवीन कार्य पद्धत के अनुसार बदलाव किया जाए कार्यस्थल एवं विभाग में परिक्षण हेतु लैब एवं मशीनरी एवं स्टाफ की पूर्ति आज तक नहीं की गई है जिसे अविलंब पूर्ण किया जाए निर्माण कार्यों की क्वालिटी कंट्रोल हेतु प्रत्येक कार्य एवं उप संभाग में लैब स्टाफ सहित भरती की जाए,जबकी अन्य विभागों एमपी आरडीसी, एमपी बीडीसी, पीआईयू में स्टाफ के अभाव के कारण कार्यों के गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु लाइव कंसल्टेंसी आदि की व्यवस्था है किंतु इस विभाग में मैदानी अमलों के अभाव के बावजूद ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है संगठन एवं लोक निर्माण विभाग के अभियंता साथी यथार्थ में मैदान पर गुणवत्ता युक्त कार्य करने एवं कराने के पक्षधर है एवं गुणवत्ता सुधार हेतु आवश्यक संसाधन एवं स्टाफ की मांग करते हैं जिस पर विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न करते हुए मात्र गुणवत्ता नियंत्रण के नाम पर पेपर बाजी एवं मैदानी अम्लों पर कार्रवाई कर प्रशंसा बटोरने की प्रक्रिया अपनाई जा रही अतः संगठन मांग करता है कि उक्त मांगों की पूर्ति किए जाने के पश्चात ही गुणवत्ता परीक्षण या अन्य निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए मांगे पूर्ण न होने तक संगठन आगामी दिनों में अनिश्चितकालीन के लिए हड़ताल पर जाने के लिए मजबूर है।

पुलिस की सूझबूझ से 72 घंटे में नाबालिग अपहृता को किया दस्तयाब, परिजनों ने पुलिस का जताया आभार

बुढार।

स्कूल के लिए निकाली नाबालिग छात्रा को किसी अज्ञात व्यक्ति ने बहला फुसलाकर भगा ले गया जिसकी शिकायत नाबालिग के पिता दुखे लाल बैगा पिता स्व सुखई निवासी ग्राम छाता ने पुलिस को आपबीती सुनाई जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर नाबालिग की पता तलाश प्रारम्भ की और 72 घंटे के अंदर नाबालिग को रेल्वे स्टेशन बुढार से दस्तयाब करने की सफलता अर्जित की है।

इस संबंध में थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने जानकारी देते हुए बताया कि 22 दिसंबर को छात्रा सुबह 10 बजे शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के लिए घर से रवाना हुई और जब शाम तक वापस घर नहीं लौटी तो परिजनों ने आसपास पता तलाश किये छात्रा का पता नहीं चला तो थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई जिस पर बीएनएस की धारा 137(2) के तहत अज्ञात व्यक्ति पर दर्ज कर नाबालिग को ससुराक्षित दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है और अज्ञात युवक की तलाश की जा रही है।

इस मामले की पतासजी में एएसआई राजा बागरी, प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र सिंह, कल्पना धुर्वे, चालक प्रभात सिंह का सराहनीय सहयोग रहा।

दुर्घटना रोकने युवाओं ने हटाया सड़क से रेत

ब्यौहारी ।

ग्राम आखेटपुर में सड़क के किनारे अवैध रेत गिराया हुआ था जिसके कारण से आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही थी कई बार बाइक सवार घायल हो गए इस समस्या को देखते हुए क्षेत्र के समाजसेवी पवन पटेल एवं मुकेश तिवारी, राकेश पटेल मुख्य मार्ग से स्वंय रेता हटाकर समाज सेवा की भावना को प्रदर्शित किया क्षेत्र के लोग उनकी सेवा भावना की सराहना कर रहे हैं हटाने का कार्य किया गया लगातार कई लोग दुर्घटना में गंभीर घायल हो गये थे।

कृषि भूमि पर अवैध ईंट भट्ठों का संचालन जिम्मेदार विभाग मौन नगर परिषद बरगवां

अमलाई क्षेत्र में नियमों की खुली अनदेखी

अमलाई।

नगर परिषद बरगवां–अमलाई क्षेत्र अंतर्गत कृषि भूमि पर नियमों को ताक पर रखकर अवैध रूप से ईंट निर्माण का कार्य जोरों पर चल रहा है। ताजा मामला खसरा नंबर 351/2 का है, जहाँ बिना किसी वैधानिक अनुमति के ईंट भट्ठा संचालित किया जा रहा है। इतना ही नही नगर परिषद बरगवां अमलाई क्षेत्र में आधा दर्जन से ज्यादा स्थानों पर धरल्ले से ईंट निर्माण हो रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि इन ईंट भट्ठे के संचालन हेतु किसी भी सक्षम विभाग से न तो लाइसेंस लिया गया है और न ही पर्यावरण अथवा खनन संबंधी अनुमति प्राप्त की गई है।स्थल पर बड़ी संख्या में कच्ची और पकी ईंटों का भंडारण स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जो यह दर्शाता है कि लंबे समय से यहां अवैध रूप से ईंट निर्माण किया जा रहा है। नियमों के अनुसार कृषि भूमि का उपयोग औद्योगिक गतिविधियों, विशेषकर ईंट भट्ठा संचालन के लिए प्रतिबंधित है, इसके बावजूद खुलेआम यह कार्य जारी है।आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर चल रहा अवैध निर्माणसूत्रों के अनुसार नगर परिषद बरगवां–अमलाई क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर इसी तरह अवैध ईंट भट्ठों का संचालन किया जा रहा है। यह स्थिति न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि यह भी सवाल खड़े करती है कि आखिर जिम्मेदार विभाग अब तक आंख मूंदे क्यों बैठे हैं।इन मुख्य नियमों की हो रही खुली अवहेलनाकृषि भूमि पर ईंट भट्ठा संचालन प्रतिबंधित, इसके लिए भूमि उपयोग परिवर्तन की अनुमति अनिवार्य है।कलेक्टर से लाइसेंस प्राप्त करना आवश्यक, बिना लाइसेंस ईंट भट्ठा चलाना अवैध है।मिट्टी उत्खनन के लिए खनिज विभाग की अनुमति जरूरी, बिना अनुमति मिट्टी निकालना गैरकानूनी खनन की श्रेणी में आता है।प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की सहमति (कंसेंट) के बिना ईंट निर्माण पर्यावरण नियमों का सीधा उल्लंघन है।जिम्मेदार विभागों पर भी उठ रहे सवालइतनी स्पष्ट नियम अवहेलना के बावजूद राजस्व विभाग, नगर परिषद, खनिज विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो यह अवैध गतिविधि पर्यावरण, कृषि भूमि और शासन की साख तीनों को नुकसान पहुंचाएगी।

इनका कहना

इस संबंध में आपके द्वारा जानकारी मिली है परिषद क्षेत्र में चल रहे ईंट भट्ठों की जानकारी लेकर कार्यवाही की प्रक्रिया की जाएगी।

भूपेंद्र सिंह सीएमओ नगर परिषद बरगवां (अमलाई)

सड़क में निर्माण सामग्री रखकर व्यवसाय, दो ट्राली गिट्टी हुई जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने एवं आम नागरिकों को आवागमन में हो रही असुविधा से राहत दिलाने के उद्देश्य से नगर निगम प्रशासन द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर में निरीक्षण के दौरान संत कवरराम वार्ड में सार्वजनिक मार्ग के किनारे एवं सड़क पर निर्माण सामग्री रखकर व्यवसाय करने तथा गंदगी फैलाने पर संबंधित व्यवसायी घनश्याम राजपाल के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करते हुए निर्माण सामग्री दो ट्राली गिट्टी जब्त करने की सख्त कार्यवाही की गई।

अतिक्रमण प्रभारी मानेन्द्र सिंह बताया कि नगर निगम के अमले द्वारा निरीक्षण के दौरान पाया गया कि संत कवरराम वार्ड में कुछ व्यवसायियों द्वारा बिना अनुमति मुख्य मार्ग पर गिट्टी एवं अन्य निर्माण सामग्री रखकर व्यवसाय किया जा रहा था, जिससे गंदगी फैलने के साथ ही यातायात बाधित हो रहा था तथा दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी। नियमों के उल्लंघन पर नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए दो ट्राली गिट्टी जब्त कर पंचनामा बनाया गया। इस दौरान संबंधित व्यवसायियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि भविष्य में सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण कर अथवा निर्माण सामग्री रखकर व्यवसाय करने पर और भी कठोर कार्यवाही की जाएगी।

नगर निगम प्रशासन ने आम नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे नगर की सुव्यवस्था एवं सुरक्षित यातायात के हित में नियमों का पालन करें तथा किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करते हुए नगर की सुगम यातायात व्यवस्था हेतु निगम प्रशासन द्वारा किये जा रहे प्रयासों में सहयोग प्रदान करें।

कालेज चलो अभियान के तहत छात्रों को दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय बड़वारा के प्राचार्य डॉ लवकुश सिंह एवं नोडल अधिकारी डॉ. आदित्य गढ़ेवाल (क्रीड़ाधिकारी) के निर्देशन में महाविद्यालय के श्रीमती तोषी पटेल, डॉ योगिता अरजरिया, डॉ कल्पना सतनामी, डॉ विमला सिंह, डॉ रचना पाण्डेय ने शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़वारा, में कक्षा 12 वी में अध्यनरत संकाय के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा अध्ययन हेतु शासकीय महाविद्यालय में प्रवेश के लिए जानकारी प्रदान की एवं शासन की विभिन्न नई योजनाओं के बारे में बताया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य चंदन सिंह एवं जुगल सिंह चौरसिया का विशेष योगदान रहा साथ ही समस्त शिक्षक तथा अध्ययनरत छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। 24/12/2025 को मप्र उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय बड़वारा के प्राचार्य डॉ लवकुश सिंह एवं नोडल अधिकारी डॉ. आदित्य गढ़ेवाल (क्रीड़ाधिकारी) के निर्देशन में

नववर्ष पर सुरक्षा व यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग

अमरकंटक में अत्यधिक रहेगा यातायात का दबाव, उमड़ेगी भारी भीड़

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन केंद्र पवित्र नगरी अमरकंटक में नववर्ष के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं, पर्यटकों एवं तीर्थयात्रियों के आगमन की संभावना को देखते हुए नगर के गणमान्य नागरिकों ने जिला प्रशासन, पुलिस विभाग एवं स्थानीय प्रशासन से सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार आगामी 1 जनवरी को नववर्ष के स्वागत में नर्मदा तट पर डुबकी स्नान, मां नर्मदा के उद्गम स्थल मंदिर में दर्शन तथा आसपास के पर्यटन स्थलों पर भारी भीड़ रहने की संभावना है। इसके पहले ही 31 दिसंबर से श्रद्धालुओं का अमरकंटक आगमन शुरू हो जाएगा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने निजी वाहनों, बसों एवं दोपहिया वाहनों से नगर पहुंचेंगे, जिससे यातायात दबाव अत्यधिक बढ़ सकता है। नगरवासियों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस व्यवस्था नहीं की गई, तो नववर्ष के दिन सावन माह के अंतिम सोमवार जैसे हालात बन सकते हैं, जब यातायात जाम और अव्यवस्था के कारण श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

यहां बढ़ेगा यातायात का दबाव

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में भी अमरकंटक में पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ रही है। वाहन चालकों द्वारा सड़कों के किनारे एवं मुख्य मार्गों पर अनियंत्रित रूप से वाहन खड़े कर देने से उच्च विश्राम गृह तिराहा, नर्मदा मंदिर मार्ग, पार्किंग स्थल एवं अन्य प्रमुख मार्गों पर बार-बार जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। कई बार तो दोपहिया वाहन निकालना भी मुश्किल हो जाता है। विशेष रूप से रामघाट पार्किंग स्थल में दोपहिया, चौपहिया वाहनों एवं बसों की अत्यधिक भीड़ देखी जा रही है, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। ऐसे में यातायात नियंत्रण, निर्धारित पार्किंग व्यवस्था, एकतरफा मार्ग एवं पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की आवश्यकता जताई गई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए नागरिकों ने मांग की है कि रामघाट के उत्तर एवं दक्षिण तट तथा पुष्कर बांध पर डुबकी स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को लाउडस्पीकर के माध्यम से सतर्क किया जाए। साथ ही किसी भी अप्रिय घटना की रोकथाम हेतु प्रशिक्षित तैराकों की ड्यूटी, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी निगरानी एवं आपातकालीन चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। नगर के प्रबुद्ध नागरिकों का कहना है कि प्रशासन द्वारा समय रहते ठोस योजना बनाकर अमल किया जाए, ताकि नववर्ष पर्व शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

अनूपपुर स्टेशन में चल रहे कार्यों का रेल प्रबंधक ने किया निरीक्षण

एक माह में रेलवे फ्लाई ओवर ब्रिज निर्माण पूर्ण करने का आश्वासन

विभिन्न समस्याओं व सुविधाओं को लेकर जिला विकास मंच ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के नव नियुक्त मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन द्वारा बिलासपुर से बुढार तक रेल खण्ड का विस्तृत विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न स्टेशनों एवं मध्यवर्ती खण्डों का गहन अवलोकन करते हुए यात्री सुरक्षा, संरक्षा मानकों तथा रेल परिचालन से संबंधित व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। पेंड्रा रोड स्टेशन पर उन्होंने निरीक्षण किया। उसके पश्चात अनूपपुर आए। अनूपपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने के पूर्व उन्होंने 220/2 25 केव्ही कर्षण उप-केन्द्र द.पू. मध्य रेल्वे अनूपपुर का निरीक्षण किया एवं संबंधितों से सुरक्षा को लेकर पूरी जानकारी ली। यहीं पर नगर के पत्रकारों एवं जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। जिसमें प्रमुख रूप से जिला विकास मंच के संयोजक वासुदेव चटर्जी एडवोकेट, विनोद (गुड्डा) सोनी (नगर पालिका प्रतिनिधि के रूप में) पत्रकार अरविंद बियानी, राजेश शिवहरे एवं चैतन्य मिश्रा ने ज्ञापन दिया एवं प्रमुख स्थानीय रेलवे स्टेशन के मुद्दों पर बातचीत की जिस पर उन्होंने कहा कि स्थल पर चलकर मुआयना करता हूं।

इसके पश्चात वहां से रेलवे लाइन से पदयात्रा करते हुए नवनिर्मित हो रहे फ्लाई ओवर ब्रिज के पास आए एवं पूरे टेक्निकल मुद्दों पर संबंधितों से बात की एवं विश्वास दिलाया कि एक माह में रेलवे अपना काम पूरा कर देगी। एवं उसके पश्चात वह अपने स्पेशल ट्रेन से अनूपपुर जंक्शन स्टेशन पहुंचे। वहां से पदयात्रा करते हुए प्लेटफार्म पर बन रहे पैदल ब्रिज को देखा एवं इंजीनियर से पूरी जानकारी ली एवं जल्दी से जल्दी निर्माण कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया। संबंधित इंजीनियर ने बताया कि जब यह पैदल पुल तैयार हो जाएगा तो कटनी दिशा में जो पुल बना हुआ है उसे हटा दिया जाएगा और यह पुल स्टेशन के यात्रियों के लिए कार्य आएगा। जिसमें लिफ्ट भी लगाई जाएगी एवं बाहर से बाहर जाने वालों के लिए एक अलग ब्रिज बना हुआ है वह कार्यरत रहेगा। इसके पश्चात रेल मंडल प्रबंधक प्लेटफार्म पर निर्मित हो रहे वेटिंग हॉल को देखा एवं फिर प्लेटफार्म से बाहर की एरिया में आकर पूरा मुआयना किया। जहां पर उपस्थित लोगों ने गंदगी के बारे में बताया कि पूरे एरिया में सुलभ कांप्लेक्स नहीं होने से लोग गंदा कर देते हैं। जिससे बिना रुमाल नाक में लगाए चलना भी मुश्किल हो जाता है। यहां पर यात्रियों को परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। खासकर महिला यात्रियों को।जिसके लिए प्लेटफार्म पर भी कोई व्यवस्था नहीं है, वहां भी कार्य चल रहा है। जिस पर रेल मंडल प्रबंधक ने संबंधितों से जानकारी ली तो पता चला कि अमृत भारत एवं गतिमान योजना में ऐसी कोई स्कीम नहीं है। जब उन्होंने कहा कि जरूर कोई गैप रह गया है। जिसके कारण यह महत्वपूर्ण कार्य छूट गया है। उन्होंने कहा कि वह इस दिशा में प्रयास करेंगे और आम यात्रियों को सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित आरपीएफ प्रभारी से कहा कि इस एरिया में गंदगी नहीं होनी चाहिए इसकी जिम्मेदारी आप लेंगे तो उन्होंने हां कहा। मंडल रेल प्रबंधक ने अनूपपुर जंक्शन स्टेशन का निरीक्षण किया। इनके साथ स्टेशन मास्टर एस.एस. शर्मा, आरपीएफ प्रभारी के.के.दुबे एवं अन्य स्टाफ भी उपस्थित था। रेल प्रबंधक अनूपपुर से बुढार तक सेक्शन के मध्य विंडो ट्रेलिंग के दौरान यार्ड, क्रॉसिंग, पॉइंट्स, लॉन्ग लूप्स आदि का सूक्ष्म संरक्षा निरीक्षण किया। रेल मंडल प्रबंधक ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे अधो संरचना विकास कार्यों का जायजा भी लिया। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने सुरक्षा एवं संरक्षा मानकों के कड़ाई से अनुपालन, कर्मचारियों की कार्यप्रणाली में सुधार तथा यात्री सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया।

जिला विकास मंच के संयोजक ने दिया ज्ञापन

जिला विकास मंच के संयोजक वासुदेव चटर्जी एडवोकेट ने अनूपपुर जंक्शन स्टेशन की समस्याओं एवं सुविधाओं को लेकर बिलासपुर रेल मंडल प्रबंधक को ज्ञापन दिया। जिसमें उन्होंने मांग की है कि अनूपपुर जंक्शन स्टेशन में (पे एंड यूज) सुलभ कांप्लेक्स के निर्माण की अनुमति प्रदान करें। पूर्व से स्वीकृत प्रसिद्ध तीर्थ स्थल अमरकंटक में रेलवे का पीआरएस सेंटर जो डाक विभाग के माध्यम से संचालित था बंद कर दिया गया है, उसे पुनः प्रारंभ कराया जाए। पुष्पराजगढ़ राजेंद्रग्राम से करीब 50 ग्रामीण अंचल के आदिवासी बाहुल्य इलाके के यात्री सुविधा के लिए राजेंद्र ग्राम पुष्पराजगढ़ में रेलवे का पीआरएस सेंटर प्रारंभ किया जाए। बहु प्रतीक्षित नागपुर-शहडोल ट्रेन का विस्तार अनूपपुर या अंबिकापुर तक किया जाए। चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन को पुराने समय अनुसार नियमित रूप से पुनः प्रारंभ कराया जाए। बीके 61 आरओबी का उच्च गुणवत्ता के अनुरूप समय सीमा के अंदर निर्माण कराया जावे।प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 से 3-4 को जोड़ने वाले फूड ओवर ब्रिज का निर्माण लिफ्ट सहित समय सीमा के अंदर पूर्ण कराया जावे। अमृत भारत योजना एवं गतिमान योजना के तहत अनूपपुर स्टेशन कार्यों को समय सीमा के अंदर उच्च गुणवत्ता के अनुरूप शीघ्र पूरा कराया जावे एवं इसके साथ ही दूसरे चरण का कार्य भी प्रारंभ कराया जावे जिससे यात्रियों को सभी मूलभूत सुविधाए मिल सके।

बैगा हितग्राहियों की सहमति के साथ आगे बढ़ा विकास कार्य

भ्रम के धुंध के बीच सामने आई ज़मीनी सच्चाई

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला अनूपपुर के ग्राम कोलमी में न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं टोरेंट पावर लिमिटेड द्वारा संचालित परियोजना को लेकर हाल ही में कुछ भ्रम फैला कर अनेक माध्यमों में यह आरोप लगाया गया कि संरक्षित बैगा जनजाति के प्रधानमंत्री आवास और कच्चे मकानों को तोड़कर परिवारों को खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर कर दिया गया। इन बातों के सामने आने के बाद प्रशासनिक अभिलेखों, हितग्राहियों के शपथ पत्रों और ज़मीनी तथ्यों की पड़ताल के बाद तो तस्वीर कुछ और ही सामने आई। ग्राम कोलमी में परियोजना से जुड़े बैगा समुदाय के हितग्राही परिवारों ने स्वयं लिखित सहमति और शपथ पत्र के माध्यम से यह स्पष्ट किया है कि उनके साथ किसी प्रकार का बल, दबाव या जबरन कार्रवाई नहीं की गई। शपथ पत्र में हितग्राहियों ने यह स्वीकार किया है कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्राप्त हुआ है तथा इसके अतिरिक्त न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं टोरेंट पावर लिमिटेड द्वारा आवास निर्माण हेतु आर्थिक सहयोग, निर्माण सामग्री और श्रम सहायता उपलब्ध कराई गई। हितग्राहियों ने यह भी शपथपूर्वक लिखा है कि परियोजना से संबंधित प्रत्येक प्रक्रिया उन्हें समझाकर, उनकी सहमति से और प्रशासनिक मार्गदर्शन में पूरी की गई। बैगा हितग्राही नंदू बैगा ने अपने शपथ पत्र में उल्लेख किया है कि पहले उनका कच्चा मकान था, जिसमें बरसात और गर्मी दोनों में परिवार को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब पक्का आवास मिलने से परिवार को सुरक्षित जीवन मिला है। इसी तरह सिंधु बैगा और कार्तिक राम बैगा ने शपथ पत्र में यह लिखा है कि उन्हें मकान निर्माण के लिए नकद सहायता, ईंट, सीमेंट और मजदूरी का सहयोग मिला तथा परियोजना से जुड़े कार्यों में रोजगार भी उपलब्ध कराया गया, जिससे आजीविका की समस्या कम हुई। बंशीपति पनिका ने अपने बयान में यह स्पष्ट किया है कि उन्हें जो सुविधाएं बताई गईं, वही उन्हें मिलीं और उन्हें परियोजना से किसी प्रकार की आपत्ति नहीं है। शपथ पत्रों में यह भी उल्लेख किया गया है कि जिन संरचनाओं को हटाया गया, वे परियोजना क्षेत्र में आने वाली अस्थायी या गैर-स्वीकृत संरचनाएं थीं और उनके बदले हितग्राहियों को स्थाई व्यवस्था, आर्थिक सहायता एवं आवास सुविधा प्रदान की गई। किसी भी परिवार को बिना जानकारी या बिना पुनर्वास के नहीं छोड़ा गया। खुले आसमान के नीचे रहने से संबंधित आरोपों को भी हितग्राहियों ने अपने शपथ पत्रों में निराधार बताया है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि परियोजना के चलते गांव में रोजगार के अवसर बढ़े हैं। निर्माण कार्यों, परिवहन, सामग्री आपूर्ति और अन्य सहयोगी कार्यों से स्थानीय युवाओं और मजदूरों को काम मिला है, जिससे गांव की आर्थिक गतिविधियों में सकारात्मक बदलाव आया है। ग्रामीणों के अनुसार, संवाद और सहमति के साथ आगे बढ़ी यह प्रक्रिया पहले की आशंकाओं को दूर करने में सफल रही है। न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं टोरेंट पावर लिमिटेड ने स्पष्ट किया है कि परियोजना का उद्देश्य केवल औद्योगिक विकास नहीं, बल्कि स्थानीय समुदाय के साथ विश्वास, सम्मान और साझेदारी के साथ आगे बढ़ना है। कंपनी प्रबंधन के अनुसार, बैगा जनजाति को मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदत्त विशेष संरक्षण का पूरा सम्मान किया गया है और सभी निर्णय प्रशासनिक अनुमति, ग्राम स्तर पर संवाद और हितग्राहियों की सहमति से लिए गए हैं। कुल मिलाकर ग्राम कोलमी का यह प्रकरण यह दर्शाता है कि जब किसी परियोजना में संवाद, पारदर्शिता और संवेदनशीलता को प्राथमिकता दी जाती है।,

पानी के नाम पर शासन के पैसों की होली, फर्जी भुगतान पर जांच की मांग

गोहंड्रा में स्टॉपडेम बंधान कार्य में गंभीर भ्रष्टाचार का आरोप

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

जनपद पंचायत कोतमा अंतर्गत ग्राम पंचायत गोहंड्रा में स्टॉपडेम बंधान कार्य को लेकर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत गोहंड्रा के सरपंच सूरज अगरिया एवं सचिव पर शासकीय राशि के दुरुपयोग और फर्जी भुगतान के आरोप लगाए गए हैं। सोशल मीडिया में वायरस लगातार हो रहा है कि वर्ष 2024 में ग्राम पंचायत द्वारा चेक डेम में ईंट, रेत और सीमेंट सामग्री से स्टॉपडेम बंधान का कार्य कराया गया था, जिसका विधिवत भुगतान भी किया गया। लेकिन वर्ष 2025 की बरसात के दौरान प्रभावित किसानों द्वारा पानी की निकासी के लिए नीचे की ओर एक-एक फीट जगह छोड़ते हुए केवल अस्थायी रूप से फोड़ दिया गया, जबकि ऊपर का जोड़ाई कार्य पूर्व की तरह यथावत रहा। वर्ष 2025 में नीचे के बंधान हेतु स्टॉपडेम के पास ईंट बनाने वाले मजदूरों और स्थानीय किसानों द्वारा स्वयं बंधान कार्य किया गया। इस कार्य में ग्राम पंचायत की कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं रही। इसके बावजूद आरोप है कि स्टॉपडेम बंधान कार्य तीन स्थानों पर होना दर्शाया गया, जबकि भुगतान चार स्थानों का किया गया, जो स्पष्ट रूप से भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्ष 2025 में ग्राम पंचायत द्वारा एक भी स्टॉपडेम बंधान कार्य नहीं कराया गया, बल्कि यह कार्य किसानों और ईंट बनाने वाले मजदूरों के सहयोग से किया गया। यदि ग्राम पंचायत द्वारा कार्य कराया गया है, तो यह स्पष्ट किया जाए कि कितने मजदूरों द्वारा कार्य किया गया, कौन-कौन से मिस्त्री एवं मजदूर लगे थे तथा उनका नाम, ऑनलाइन भुगतान विवरण एवं भुगतान पत्रक सार्वजनिक किया जाए। सामग्री सप्लायर साकेत ट्रेडर्स के प्रोपराइटर द्वारिका प्रसाद ने बताया कि मेरे से सिर्फ बिल लिया गया है सामग्री नहीं ली गई है। आरोप है कि सरपंच एवं सचिव द्वारा अपने व्यक्तिगत हित लाभ के लिए एक वेंडर के माध्यम से 30,680 रुपये का भुगतान किया गया, जो गंभीर वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार को दर्शाता है। ग्रामीणों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामवासियों का कहना है कि यदि समय रहते इस प्रकरण की जांच नहीं हुई, तो वे उच्च अधिकारियों एवं संबंधित विभागों से शिकायत कर आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

इनका कहना है

आरोप लगाते रहते हैं, जनप्रतिनिधियों को सब सुनना पड़ता है।
सूरज अगरिया, सरपंच
ग्राम पंचायत गोहंड्रा

पवित्र नगरी में इस मौसम में चौथी बार जमी बर्फ

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पतित पावनी पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन उद्गम स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में विदा होते वर्ष 2025 के अंतिम दिनों में कड़ाके की ठंड ने अपना प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर दिया है। 26 व 27 दिसंबर की मध्य रात्रि एक बार फिर इस माह की चौथी बार बर्फ जमी। नगर का तापमान शून्य के आसपास दर्ज किया जा रहा है। रात्रि के समय गिरी ओस की शबनमी बूंदें अत्यधिक ठंड के कारण बर्फ का रूप लेती नजर आईं। नर्मदा नदी के दोनों तटों पर घास, फूस, पेड़-पत्तियों, तिरपाल एवं टीन की छतों पर जमी ओस ने सुबह होते-होते सफेद बर्फ की चादर का दृश्य प्रस्तुत कर दिया। पूरे क्षेत्र में चारों ओर सफेदी छाई रही, जिससे अमरकंटक का प्राकृतिक सौंदर्य और भी मनोहारी हो गया। सुबह होते ही नगरवासियों, परिक्रमा वासियों तथा दूर-दराज से आए पर्यटक एवं तीर्थ यात्रियों ने खुले मैदानी क्षेत्रों में जमी बर्फ को देखा और इस दुर्लभ नजारे का भरपूर आनंद लिया। पहली बार इस दृश्य को देखने वाले श्रद्धालु और पर्यटक खासे आश्चर्यचकित नजर आए। हावड़ा एवं कोलकाता से आए पर्यटक, जो कल्याण सेवा आश्रम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में शामिल होने आए हैं, बर्फ जमी सतह को देखकर कौतूहल से भर उठे और मोबाइल कैमरों में इस दृश्य को कैद करते नजर आए, वहीं विद्यालयों के छात्र-छात्राओं में भी बर्फ देखने को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। हालांकि कड़ाके की ठंड का असर जनजीवन पर भी साफ दिखाई दिया। बड़ी संख्या में परिक्रमा वासी, असहाय एवं गरीब लोग ठंड से बेहाल नजर आए। नगर में जगह-जगह लोग अलाव तापते तथा चाय की चुस्की लेकर ठंड से राहत पाते दिखाई दिए। कोलकाता, हावड़ा एवं नागपुर से आए पर्यटकों ने बताया कि उनके क्षेत्रों में इस तरह की ठंड नहीं पड़ रही है और उन्होंने पहली बार इस प्रकार बर्फ जमी हुई देखी है। उन्होंने कहा कि ठंड के बारे में केवल सुना था, लेकिन अमरकंटक में उसका प्रत्यक्ष अनुभव कर बेहद रोमांचित हैं। लगातार बढ़ रही ठंड को देखते हुए प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी सतर्कता बरतने की आवश्यकता महसूस की जा रही है, विशेषकर बुजुर्गों, बच्चों और परिक्रमा वासियों के लिए।

अमरकंटक मे तापमान शून्य के आसपास

आखिर धरा गया भगवान के घर का चोर तीसरी आंख की धुंधली तस्वीर से हुआ विलंब

बिजुरी की हृदय स्थल हनुमान मंदिर मे चोरी का पुलिस ने किया खुलासा

हरिभूमि न्यूज बिजुरी।

पुलिस अधीक्षक मोती उर्रहमान द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कठोर कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया है जिसके तारतम्य मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम व एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के निर्देशन मे थाना प्रभारी बिजुरी विकास सिंह के नेतृत्व मे दिनांक 30 नवम्बर को बिजुरी की हृदय स्थली हनुमान मंदिर मे चोरी करने वाले को बिजुरी पुलिस द्वारा दुर्ग से गिरफ्तार किया गया।

चोरी का खुलासा किया गया तथा चोरी के मुकुट को विकास सोनी निवासी अनूपपुर को बिक्री करना बताया आरोपी कथन पर चोरी मे प्रयुक्त एक्सल रॉड और चोरी गया मुकुट बरामद किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी के विरुद्ध मंडला मे 1, अनूपपुर मे 2, बिलासपुर छग मे 2, गौरेला मे 1 तथा जिला दुर्ग छग मे 5 कुल 11 प्रकरण गृह भेदन व मंदिर चोरी के दर्ज है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक विकास सिंह, सहायक उपनिरीक्षक उदय प्रजापति, आरक्षक प्रभाकर त्रिपाठी, विश्वजीत मिश्रा, मनोज उपाध्याय, रवि सिह, अभिषेक शर्मा, करमजीत सिंह, रामनिवास गुर्जर एवं सायबर सेल से प्रधान आरक्षक राजेन्द्र अहिरवार की उल्लेखनीय भूमिका रही।

यह है मामला

30 नवम्बर को हनुमान मंदिर के पुजारी जीवनलाल द्विवेदी पिता रामचरण द्विवेदी उम्र 77 वर्ष निवासी बिजुरी द्वारा यह रिपोर्ट दर्ज कराया कि कल 29 नवम्बर को रात्रि करीब 09:00 बजे मै मंदिर मे पूजा अर्चना कर मंदिर मे ताला बंद कर चला गया था जब 30 नवम्बर को प्रातः 05:00 बजे पूजा अर्चना हेतु मंदिर आया तो देखा कि मंदिर का ताला टूटा है तथा कोई अज्ञात चोर मंदिर से मुकुट एवं दान पेटी मे रखे नगदी पैसे चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर अपराध क्र 384/254 धारा 331 (4), 305 (डी) बीएनएस का कायम कर विवेचना मे लिया गया। मंदिर मे चोरी के मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन के टीम गठित किया जाकर अज्ञात चोर की खोजबीन के प्रयास किये गये घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरे की जांच, तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर तंत्र की सहायता ली गयी। सरहदी थानो व जिलो मे संदिग्ध की सीसीटीव्ही फुटेज भेज कर मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया।

11 मामले को आरोपी दे चुका अंजाम

जानकारी प्राप्त हुई कि थाना भिलाई पावर हाउस छ0ग0 मे मंदिर चोरी का अपराधी गिरफ्तार हुआ है जिसकी फोटो मिलान पर प्रकरण के संदिग्ध की पहचान रामचन्द्र सिंह राठौर पिता भारत सिंह राठौर उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम गोरसी थाना जैतहरी जिला अनूपपुर के रुप मे हुई जिससे हिकमत अमली से पूछताछ की गयी तब आरोपी द्वारा हनुमान मंदिर मे

तीसरी आंख की क्वालिटी पर पुलिस की अपील

बिजुरी के हृदय स्थल मे स्थित हनुमान मंदिर मे चोरी होने से आमजन मे असंतोष तथा पुलिस की कार्यप्रणाली प्रश्नगत थी परंतु बिजुरी की जनता के द्वारा प्रकरण मे पुलिस की कार्यवाही पर विश्वास जताया तथा किसी प्रकार की कोई कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित नही होने दी जिसके लिये बिजुरी पुलिस आभार व्यक्त करती है। प्रकरण के अनुसंधान मे सीसीटीव्ही फुटेज देखते समय यह तथ्य सामने आया कि कई दुकानदारो के द्वारा अपनी दुकानो मे सीसीटीव्ही नही लगायी गयी है तथा जिनके दुकानो मे सीसीटीव्ही लगा हुआ है उनमे से अधिकांश कैमरे का एंगल आम रोड का कवर नही करता है जिस कारण संदिग्ध की पहचान मे कठिनाई आयी। अतः आम व्यवसायियो से अपील है कि अपने दुकानो मे अच्छे किस्म के सीसीटीव्ही कैमरे लगावायें।

पुलिस गिरफ्त में आये ट्रक लुटेरे

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

16 दिसंबर को रामनरेश यादव पिता मिट्ठुलाल यादव उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम करीं तुलबुल थाना पसान जिला कोरबा (छ.ग.) 15 दिसंबर की रात 09.00 बजे अपने ट्रक टाटा कंपनी के ट्रक क्र. सी.जी.10 बी.आर. 9130 से लकड़ी लोड करके ओ.पी.एम. अमलाई जाने के लिये निकला था। उसी रात करीब 11 बजे वेंकनटगर में एक मोटरसायकल से दो लोगो अज्ञात लोगों द्वारा ट्रक को ओवरटेक करके रास्ता रोककर ट्रक रूकवा लिये थे फरियादी रामनरेश यादव को ट्रक से उतरवाकर उसका 6500 रू कीमती रेडमी कंपनी का एंड्राइड मोबाईल को झपट लिये एवं दो फरियादी गालियां देकर मारपीट कर मौके से फरार हो गये थे। फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियो के विरूद्ध अप.क्र. 482/25 धारा 296, 126(2), 115(2), 304(2), 3(5) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। अपराध की गंभीरता को देखते हुये वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देशन पर टीम गठित कर एवं सायबर की मदद से दो संदेहियो को वेंकटनगर पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर चौकी लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ पर संदेहियो राकेश साहू पिता बब्बू साहू उम्र 25 वर्ष एवं शोभित रौतेल पिता नानबाबू रौतेल उम्र 28 वर्ष दोनो निवासी ग्राम बलभद्रपुर थाना जैतपुर जिला शहडोल ने उक्त फरियादी के साथ घटना कारित करना स्वीकार किया। आरोपी राकेश साहू से घटना में उपयोग हीरो कंपनी की एच.एफ. डिलक्स मोटर सायकल एवं फरियादी का रेड़मी कंपनी का मोबाइल तथा दूसरे आरोपी शोभित रौतेल से मोबाईल में लगी सिम को जप्त किया गया। आरोपियो को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय अनूपपुर में पेश किया गया जहां माननीय न्यायालय के आदेश से आरोपियों को जेल भेज दिया गया। उक्त कार्यावाही में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक प्रवीण कुमार साहू, सहायक उपनिरीक्षक सुरेश कुमार अहिरवार, आरक्षक सोनू पर्ते एवं विजय टाटू एवं सायबर सेल प्रभारी प्रधान आरक्षक राजेंद्र अहिरवार का विशेष योगदान रहा।

वीबी जी राम जी अधिनियम के संबंध में ग्राम सभाओं का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी एक्ट- 2005 मनरेगा के स्थान पर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय विजन विकसित भारत/2047 के परिपेक्ष्य में विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी राम जी अधिनियम 2025 लागू किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में वीबी जी राम जी अधिनियम- 2025 के महत्वपूर्ण प्रावधानों एवं प्रदत्त कानूनी अधिकारों के संबंध में व्यापक जागरूकता लाने के उद्देश्य से 26 दिसंबर 2025 को सभी ग्राम पंचायत में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा में वीबी जी राम जी अधिनियम 2025 के संबंध में जानकारी दी गई।